

चमरौट पुं. (देश.) चमारों को उनके काम के बदले मिलने वाला फसल आदि का भाग।

चमरौटी स्त्री. (देश.) चमारों की बस्ती।

चमरौधा पुं. (देश.) देशी ढंग का बना भारी, भट्ठा जूता, चमौआ।

चमला पुं. (देश.) भीख माँगने का ठीकरा, भिक्षा पात्र।

चमस पुं. (तत्.) 1. सोमपान करने का चम्मच के आकार का एक यज्ञ पात्र जो पलाश आदि की लकड़ी से बनता है 2. कलछा, चम्मच 3. पापड़ 4. मोदक, लड्डू 5. उड़द का आटा 6. एक ऋषि का नाम 7. नौ योगीश्वरों में से एक।

चमसि स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की रोटी या लिट्टी।

चमसी स्त्री. (तत्.) 1. चम्मच के आकार का लकड़ी का यज्ञ पात्र 2. उड़द, मूंग, मसूर आदि की पीठी **वि.** (तत्.) सोमरस से पूर्ण चमस पाने का अधिकारी।

चमाचम क्रि.वि. (देश.) उज्ज्वल कांति सहित झलक के साथ प्रयो. होटल के बर्तन चमाचम चमकते रहते हैं।

चमार पुं. (तद्.) 1. एक जाति जो चमड़े का काम करती है 2. उक्त जाति का व्यक्ति 3. तुच्छ व्यक्ति, निम्न प्रकृति वाला व्यक्ति।

चमारनी स्त्री. दे. चमारी।

चमारी स्त्री. (तद्.) 1. चमार जाति की स्त्री, चमार की स्त्री 2. चमारी की प्रकृति वाली स्त्री 3. कमल का वह फूल जिसमें कमल गट्टे के जीरे खराब हो जाते हैं **वि.** 1. (तद्.) चमार संबंधी 2. चमारों जैसा।

चमीकर पुं. (तत्.) प्राचीन भारत में प्रसिद्ध सोने की एक प्राचीन खान, इसी से सोने को चामीकर भी कहते हैं।

चमू स्त्री. (तत्.) 1. सेना, फौज 2. नियत संख्या की सेना जिसमें 729 हाथी, 729 रथ, 2187 घुड़ सवार और 3645 पैदल होते थे।

चमूचर पुं. (तत्.) 1. सिपाही 2. सेनापति।

चमूरु पुं. (तत्.) एक प्रकार का मृग, बालदार पूँछ वाला मृग।

चमेठी स्त्री. (देश.) पालकी के कहारों की एक प्रकार की बोली।

चमेली स्त्री. (तद्.) 1. चंपक बेली, झाड़ी या लता जो अपने सुगंधित फूलों के लिए प्रसिद्ध है विशेष. चमेली के फूलों से तेल बनाया जाता है जो चमेली का तेल कहलाता है, यह तेल सिरदर्द और नेत्र रोगों की उत्तम औषधि है 2. नदी या समुद्र की ऊँची लहर की वह थपेड़ जिससे नावें आदि डगमगाने लगती हैं और कभी कभी डूब जाती हैं।

चमोटा पुं. (देश.) पाँच छः अंगुल का मोटे चमड़े का टुकड़ा जिस पर नाई छुरे को उसकी धार तेज करने के लिए बार-बार रगड़ते हैं।

चमोटी स्त्री. (देश.) 1. चाबुक, कोड़ा 2. पतली छड़ी, कमची, बेंत 3. वह चमड़ा जो बेडियों के भीतरी भाग में इसलिए लगाया जाता है कि पैरों में लोहे की रगड़ न लगे 4. चमड़े का वह पट्टा जिसकी सहायता से खराद का चक्कर खींचा जाता है।

चम्मच पुं. (तद्.) हलकी कलछी जिससे दूध चाय तथा खाने-पीने की चीजें चलाते और निकालते हैं।

चम्मल पुं. दे. चमला।

चय पुं. (तत्.) 1. समूह, ढेर, राशि 2. टीला, ढूह 3. गढ़, किला 4. किसी किले या शहर के चारों ओर रक्षा के लिए बनाई गई दीवार, चार दीवारी, कोट, प्राकार 5. बुनियाद, जिसके ऊपर दीवार बनाई जाती है, नींव 6. चबूतरा 7. चौकी, ऊँचा-आसन 8. कफ, वात या पित्त की विशेष अवस्था 9. यश के लिए अग्नि आदि का विशेष संस्कार 10. दुर्ग का द्वार या फाटक 11. तिपाई 12. लकड़ी का ढेर 13. आवरण।

चयक वि. (तत्.) चयन करने वाला।